जाने जग सखी मैं ही न जानू

जाने जग सखी मैं ही न जानू
काहा श्याम गुण धाम
गोकुल सुबह दुपेहर मथुरा पूरी द्वारिका श्याम
हमारे सांवरियां घनश्याम
जाने जग सखी मैं ही न जानू

सुबह सखी मैं मंदिर जाऊ
भरी दुपेहरी ध्यान लगाऊ श्याम सांवरी से पुछु मैं कब आवेगे श्याम
हमारे सांवरियां घनश्याम
जाने जग सखी मैं ही न जानू

अपनी केहनी को ही रजनी
रजनी में भी चैन न सजनी
नैन कहे हम सांवरिया के निंदिया से क्या काम
हमारे सांवरियां घनश्याम
जाने जग सखी मैं ही न जानू

नैन खुले के खुले रहेंगे जब तक सांवरियां न मिलेगे
गोविन्द को जो आँ दिखाए गुरु को करो परिणाम
हमारे सांवरियां घनश्याम
जाने जग सखी मैं ही न जानू

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16971/title/jaane-jag-sakhi-main-hi-na-jaanu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |